

बुलेटिन संख्या-६७

दिनांक- मंगलवार, २२ सितम्बर, २०२०



**विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन**

मौसमीय वेदशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः ३३.० एवं २५.६ डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ६५ प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में ८३ प्रतिशत, हवा की औसत गति १०.० कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण ३.८ मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन ७.० घंटा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में ३०.५ एवं दोपहर में ३३.६ डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में १८.६ मि०मी० वर्षा रिकार्ड हुई।

**मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान  
(२३-२७ सितम्बर, २०२०)**

- ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी २३-२७ सितम्बर तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसार:-
- अनुकूल मानसूनी प्रभावों के कारण उत्तर बिहार के जिलों में अगले ३-४ दिनों तक अच्छी वर्षा की सम्भावना है। इस अवधि में अनेक स्थानों पर कुल ७५-१०० मि०मी० वर्षा हो सकती हैं। गोपालगंज, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, मधुबनी, पूर्वी तथा पश्चिमी चम्पारण जिलों में अन्य जिलों की तुलना में अधिक वर्षा हो सकती है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान ३० से ३२ डिग्री सेल्सियस एवं न्यूनतम तापमान २४-२६ डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।
- पूर्वानुमानित अवधि में पुरवा हवा चलने का अनुमान है। औसतन ८-१० कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से हवा चलने की संभावना है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में ८० से ६० प्रतिशत तथा दोपहर में ६५ से ७५ प्रतिशत रहने की संभावना है।

**● समसामयिक सुझाव**

- पूर्वानुमानित अवधि में अच्छी वर्षा होने की संभावना को देखते हुए किसान भाई इस अवधि में कीटनाषी दवाओं का छिड़काव स्थगित रखें। कीटनाषी दवाओं का छिड़काव आसमान साफ रहने पर ही करें। धान, मक्का, खरीफ प्याज, चारा एवं अन्य सब्जियों की फसलों में आवश्यकतानुसार नत्रजन उर्वरक का व्यवहार करें। सब्जियों तथा मक्का के खेतों से जल निकास की उचित व्यवस्था करें।
- पिछले धान की फसल जो कल्ले निकलने की अवस्था में ३० किलोग्राम नेत्रजन प्रति हेक्टेयर की दर से उपरिवेशन करें। फसल की इस अवस्था में तना छेदक (स्टेम बोरर) एवं पत्ती लपेटक (लीफ फोल्डर) कीट की निगरानी करें। प्रकोप दिखाई देने पर बचाव के लिए करताप हाईड्रोक्लोराईड दाने-दार दवा का १० किलोग्राम प्रति एकड़ की दर से व्यवहार करें। किसान भाई नेत्रजन उर्वरक के साथ बताई गयी कीटनाशक दानेदार दवा को अच्छी प्रकार से मिलाकर खेतों में समान रूप से व्यवहार आसमान साफ रहने पर ही करें।
- धान की फसल जो गाभा निकलने की अवस्था में आ गयी हो, उसमें ३० किलोग्राम नेत्रजन प्रति हेक्टेयर की दर से उपरिवेशन करें। धान की फसल जो दुग्धावस्था में आ गयी हो उसमें गंधी बग कीट की निगरानी करें। इस कीट के शिशु एवं पौढ़ जब पौधों में बाली निकलती है तो यह बालियों का रस चुसना प्रारंभ कर देती है जिससे दाने खोखले एवं हल्के हो जाते हैं तथा छिलका का रंग सफेद हो जाता है। धान की दुग्धावस्था में यह पौधों को अधिक क्षति पहुंचाती है जिससे उपज में काफी कमी होता है। इसके शरीर से विशेष प्रकार का बदबु निकलती है, जिसकी वजह से इसे खेतों में आसानी से पहचाना जा सकता है। इसकी संख्या जब अधिक हो जाती है तो एक-एक बाल पर कई कीट बैठे मिलते हैं। इसके नियंत्रण के लिए फॉलीडाल १० प्रतिशत धूल का प्रति हेक्टेयर १०-१५ किलोग्राम की दर से आसमान साफ रहने पर भूरकाव ८ बजे सुबह से पहले अथवा ५ बजे शाम के बाद बालियों पर करें। खेतों के आस-पास के मेड़ों पर दवा का भूरकाव आसमान साफ रहने पर ही करें।
- बैंगन की तैयार पौध की रोपाई करें। रोपनी से पहले १ ग्राम फ्युराडान ३ जी० दानेदार दवा प्रति पौधा की दर से जड़ के पास मिट्टी में मिला कर रोपनी करें। अगात रोपी गई बैंगन की फसल में तना एवं फल छेदक कीट की निगरानी करें। इस कीट का आक्रमण होने पर कीट से ग्रसित तना एवं फल की तुराई कर मिट्टी में गाड़ दें। यदि कीट की संख्या अधिक हो तो स्पिनोसेड ४८ ई०सी०/१ मि०ली० प्रति ४ लीटर पानी या क्वीनालफॉस २५ ई०सी० दवा का १.५ मि०मी० प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव आसमान साफ रहने पर ही करें।
- धनबाल निकलने की अवस्था में जो मक्का की फसल आ गयी हो उसमें ३० किलोग्राम नेत्रजन प्रति हेक्टेयर की दर से उपरिवेशन करें। कीट एवं रोग व्याधि की निगरानी फसल में नियमित रूप से करें।
- मिर्च की फसल में विषाणु रोग से ग्रसित पौधों को उखाड़कर जमीन में गाड़ दे, तदुपरांत इमिडाक्लोप्रिड एक मि०ली० प्रति ३ लीटर पानी की दर घोल बनाकर छिड़काव आसमान साफ रहने पर ही करें।
- सब्जियों की नर्सरी में लाही, सफेद मक्खी व चूसक कीड़ों की निगरानी करें। ये कीट विषाणु जनित रोग के लिए वाहक का काम करते हैं। इससे बचाव के लिए इमिडाक्लोरोप्रिड दवा का ०.३ मि०ली. प्रति लीटर पानी की दर से घोल कर छिड़काव आसमान साफ रहने पर ही करें। नर्सरी से खरपतवार समय-समय पर निकालते रहें ताकि स्वस्थ पौध मिल सकें।
- विगत माह रोपी गई फूलगोभी में आवश्यकतानुसार निकौनी करे एवं फसल में पत्ती खाने वाली कीट (डायमंड बैक मॉथ) की निगरानी करें। इस कीट के पिल्लू फूलगोभी की मध्यवाली पत्तियों तथा सिरवाले भाग को अधिक क्षति पहुंचाती हैं। शुरुआती अवस्था में यह पिल्लू पत्तियों की निचली सतह में सुरंग बनाकर एवं उसके अन्दर पत्तियों को खाता है। इस कीट से बचाव हेतु स्पेनोसेड ४८ ई०सी० दवा एक मि०ली० प्रति ४ लीटर पानी में घोलकर छिड़काव आसमान साफ रहने पर ही करें।

आज का अधिकतम तापमान: २८.५ डिग्री सेल्सियस,  
सामान्य से ४.० डिग्री कम

आज का न्यूनतम तापमान: २६.१ डिग्री सेल्सियस,  
सामान्य से १.२ डिग्री अधिक

(डॉ० गुलाब सिंह)  
तकनीकी पदाधिकारी

(डॉ० ए. सत्तार)  
नोडल पदाधिकारी